प्रवासियों के लिए मुंबई में कार्यालय खोलेगी योगी सरकार

- 50-60 लाख है उत्तर भारतीयों की संख्या, सबसे अधिक यपी के लोग
- गृह प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित करने संग सामाजिक सुरक्षा उद्देश्य

राज्य ब्यूरो लखनऊ: कोरोना काल में दूसरे राज्यों में संकट में फंसे उत्तर प्रदेश के प्रवासी नागरिकों को सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा दिलाने की घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की थी। यहां लौटे प्रवासियों को रोजगार-स्वरोजगार की व्यवस्था भी सरकार ने की। अब इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सरकार ने निर्णय लिया है कि मुंबई में रह रहे यूपी के प्रवासी नागरिकों के लिए मुंबई में जल्द कार्यालय खोला जाएगा। इस कार्यालय के माध्यम से उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित कराई जाएगी, साथ ही गृह प्रदेश में निवेश, रोजगार, पर्यटन आदि के लिए उनके साथ समन्वय बनाया जाएगा।

मुंबई में कार्यालय के माध्यम से उप्र के उन प्रवासियों से संपर्क किया जाएगा, जो लंबे समय से मुंबई में नौकरी, व्यवसाय के लिए रह रहे हैं। अनुमान है कि मुंबई की एक करोड़ 84 लाख की आबादी में लगभग 50 से 60 लाख नागरिक उत्तर भारतीय मूल के हैं। इनमें उप्र के नागरिकों की संख्या सर्वाधिक है। इनका वहां उद्योग, सेवा क्षेत्र, खुदरा व्यापार, परिवहन, खाद्य व्यवसाय, फैक्ट्री या मिल आदि में बड़ा योगदान है। इसके साथ ही असंगठित क्षेत्र में भी उप्र के कामगार बड़ी संख्या में मुंबई में काम कर रहे हैं।

पिछले दो वर्षों में कोविड आपदा व लाकडाउन के कारण बड़ी संख्या में इन्हें वापस अपने गृह राज्य यूपी आना पड़ा था। तब योगी सरकार ने ही इनकी मदद की थी। अब मुंबई में कार्यालय खोलने के पीछे उद्देश्य यही है कि प्रवासियों को उत्तर प्रदेश में पर्यटन, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं से अवगत करा कर उन्हें वहां उद्यम लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। उनसे विचार-विमर्श करके उनके लिए यहां एक अनुकूल व आकर्षक औद्योगिक वातावरण तैयार किया जाएगा। उन्हें बताया जाएगा कि उप्र

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड

पत्रांक :- 701/ एम-11/2022

अल्पकालीन निविदा-सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अ